English

WATERMELON – PACKAGE OF PRACTICES

Soil

Fertile sandy loam soil containing organic matter with a pH of 6–6.5 is suitable. For early production, plants should be planted on raised beds.

Climate

Watermelon is a warm season annual crop. Optimum crop growth occurs above 38°C. Optimum temperature for germination is 28–32°C.

Season

As per regional practices and timing, but summer season is preferable.

Seed

200–300 grams per acre

Spacing

180 cm × 60 cm

Irrigation

Watermelon contains about 90% water; therefore, water supply is critical during plant growth and fruit development. Irrigation throughout crop growth is important, especially during flowering and fruit development.

Training

Watermelon vines should be turned or adjusted to keep runners in the proper direction. This allows clean furrows for movement and cultivation without damaging vines.

Pruning

Watermelon plants should be pruned to remove excess fruits and allow proper fruit development.

1. During first pruning, remove all unmarketable fruits.
2. Remove late-set fruits to increase the size of remaining fruits per vine.

Manures and Fertilizers

- FYM: 10–12 tons/acre
- NPK: 40:36:30 kg/acre

Basal dose: 33 g DAP + 7 g MOP per plant
1st top dressing (20 DAS): 15 g urea + 5 g MOP per plant
2nd top dressing (45 DAS): 10 g urea + 5 g MOP per plant

Hindi (हिंदी)

तरबूज – खेती की संपूर्ण जानकारी

मिट्टी

जैविक पदार्थ युक्त बलुई दोमट मिट्टी तथा pH 6–6.5 उपयुक्त है। जल्दी उत्पादन के लिए उठी हुई क्यारियों पर बुवाई करें।

जलवायु

तरबूज गर्म मौसम की फसल है। 38°C से अधिक तापमान पर अच्छी वृद्धि होती है। अंकुरण हेतु 28–32°C तापमान उपयुक्त है।

मौसम

क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुसार, लेकिन गर्मी का मौसम सर्वोत्तम है।

बीज दर

200–300 ग्राम प्रति एकड़

दूरी

180 सेमी × 60 सेमी

सिंचाई

तरबूज में लगभग 90% पानी होता है, इसलिए वृद्धि एवं फल विकास के समय पर्याप्त सिंचाई आवश्यक है। फूल एवं फल बनने के समय सिंचाई अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बेल प्रशिक्षण

बेलों को सही दिशा में मोड़ना चाहिए ताकि खेत में आवागमन एवं गुड़ाई बिना नुकसान के हो सके।

छंटाई

अधिक फलों को हटाकर उचित फल विकास सुनिश्चित करें।

1. पहली छंटाई में खराब फलों को हटाएँ।
2. देर से बने फलों को हटाएँ ताकि बाकी फलों का आकार बढ़े।

खाद एवं उर्वरक

- गोबर खाद: 10–12 टन/एकड़
- NPK: 40:36:30 किग्रा/एकड़

बेसल डोज: 33 ग्राम DAP + 7 ग्राम MOP प्रति पौधा
पहली टॉप ड्रेसिंग (20 दिन): 15 ग्राम यूरिया + 5 ग्राम MOP
दूसरी टॉप ड्रेसिंग (45 दिन): 10 ग्राम यूरिया + 5 ग्राम MOP

Telugu (తెలుగు)

పుచ్చకాయ – సాగు విధానాలు

నేల

సేంద్రీయ పదార్థాలు కలిగిన ఇసుక మట్టి లోయం నేల, pH 6–6.5 అనుకూలం. తొందరగా దిగుబడి కోసం ఎత్తైన మడులపై నాటాలి.

వాతావరణం

పుచ్చకాయ వేసవి కాల పంట. 38°C పైగా ఉష్ణోగ్రతలో మంచి పెరుగుదల ఉంటుంది. మొలకెత్తడానికి 28–32°C అనుకూలం.

సీజన్

ప్రాంతీయ పరిస్థితులకు అనుగుణంగా సాగు చేయవచ్చు, అయితే వేసవి కాలం ఉత్తమం.

విత్తన పరిమాణం

ఎకరానికి 200–300 గ్రాములు

దూరం

180 సెం.మీ × 60 సెం.మీ

నీటిపారుదల

పుచ్చకాయలో 90% నీరు ఉంటుంది కాబట్టి పంట పెరుగుదల మరియు పండ్ల అభివృద్ధి సమయంలో తగిన నీరు అవసరం. పుష్పదశ మరియు పండు అభివృద్ధి సమయంలో నీరు అత్యంత ముఖ్యము.

తీగల శిక్షణ

తీగలను సరైన దిశలో తిప్పి అమర్చాలి. దీనివల్ల సాగు పనులు సులభంగా చేయవచ్చు.

కత్తిరింపు

అధిక పండ్లను తొలగించడం ద్వారా మంచి పరిమాణం గల పండ్లు పొందవచ్చు.

1. మొదటి కత్తిరింపులో పనికిరాని పండ్లను తొలగించాలి.
2. ఆలస్యంగా వచ్చిన పండ్లను తొలగించడం వల్ల మిగిలిన పండ్ల పరిమాణం పెరుగుతుంది.

ఎరువులు

- పశువుల ఎరువు: 10–12 టన్నులు/ఎకరం
- NPK: 40:36:30 కిలోలు/ఎకరం

బేసల్ డోస్: మొక్కకు 33 గ్రా DAP + 7 గ్రా MOP
1వ టాప్ డ్రెస్సింగ్ (20 రోజులు): 15 గ్రా యూరియా + 5 గ్రా MOP
2వ టాప్ డ్రెస్సింగ్ (45 రోజులు): 10 గ్రా యూరియా + 5 గ్రా MOP

Marathi (मराठी)

टरबूज – लागवड पद्धती

माती

सेंद्रिय पदार्थयुक्त वालुकामय गाळमाती व pH 6–6.5 योग्य आहे. लवकर उत्पादनासाठी उंच वाफ्यांवर लागवड करावी.

हवामान

टरबूज हे उष्ण हंगामातील पीक आहे. 38°C पेक्षा जास्त तापमानात चांगली वाढ होते. उगवणासाठी 28–32°C योग्य आहे.

हंगाम

प्रादेशिक पद्धतीनुसार लागवड करावी, परंतु उन्हाळी हंगाम उत्तम आहे.

बियाणे

200–300 ग्रॅम प्रति एकर

अंतर

180 सेमी × 60 सेमी

सिंचन

टरबूजामध्ये 90% पाणी असते, त्यामुळे वाढ व फळ विकासासाठी नियमित पाणी आवश्यक आहे.

वेल व्यवस्थापन

वेली योग्य दिशेने वळवाव्यात जेणेकरून मशागत सुलभ होईल.

छाटणी

अधिक फळे काढून टाकल्यास उर्वरित फळांचा आकार चांगला होतो.

खते

- शेणखत: 10–12 टन/एकर
- NPK: 40:36:30 कि.ग्रॅ./एकर

Kannada (ಕನ್ನಡ)

ಕಲ್ಲಂಗಡಿ – ಬೆಳೆ ಪದ್ಧತಿ

ಮಣ್ಣು

ಸಸ್ಯಾಂಶ ಹೊಂದಿರುವ ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಲೋಮಿ ಮಣ್ಣು ಹಾಗೂ pH 6–6.5 ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ.

ಹವಾಮಾನ

ಕಲ್ಲಂಗಡಿ ಬೇಸಿಗೆ ಹಂಗಾಮಿನ ಬೆಳೆ. 38°C ಮೇಲ್ಪಟ್ಟ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಕಂಡುಬರುತ್ತದೆ.

ಬೀಜ ಪ್ರಮಾಣ

ಪ್ರತಿ ಏಕರೆಗೆ 200–300 ಗ್ರಾಂ

ಅಂತರ

180 ಸೆಂ.ಮೀ × 60 ಸೆಂ.ಮೀ

ನೀರಾವರಿ

ಹಣ್ಣು ಬೆಳವಣಿಗೆ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಸಮರ್ಪಕ ನೀರಾವರಿ ಅತ್ಯಗತ್ಯ.

ಗೊಬ್ಬರಗಳು

- FYM: 10–12 ಟನ್/ಏಕರೆ
- NPK: 40:36:30 ಕೆಜಿ/ಏಕರೆ

Tamil (தமிழ்)

தர்பூசணி – சாகுபடி முறைகள்

மண்

சேறும் மணலும் கலந்த வளமான மண் மற்றும் pH 6–6.5 ஏற்றது.

காலநிலை

தர்பூசணி வெப்ப கால பயிராகும். 38°C மேல் வெப்பநிலையில் சிறந்த வளர்ச்சி காணப்படும்.

விதை அளவு

ஏக்கருக்கு 200–300 கிராம்

இடைவெளி

180 செ.மீ × 60 செ.மீ

நீர்ப்பாசனம்

பழ வளர்ச்சிக்காலத்தில் போதிய நீர்ப்பாசனம் அவசியம்.

உரங்கள்

- தொழு உரம்: 10–12 டன்/ஏக்கர்
- NPK: 40:36:30 கிலோ/ஏக்கர்

Bengali (বাংলা)

তরমুজ – চাষ পদ্ধতি

মাটি

জৈব পদার্থযুক্ত বেলে দোআঁশ মাটি ও pH 6–6.5 উপযোগী।

জলবায়ু

তরমুজ গরম মৌসুমের ফসল। 38°C এর বেশি তাপমাত্রায় ভালো বৃদ্ধি হয়।

বীজের পরিমাণ

প্রতি একরে 200–300 গ্রাম

দূরত্ব

180 সেমি × 60 সেমি

সেচ

ফল গঠনের সময় পর্যাপ্ত সেচ প্রয়োজন।

সার

- গোবর সার: 10–12 টন/একর
- NPK: 40:36:30 কেজি/একর

Punjabi (ਪੰਜਾਬੀ)

ਤਰਬੂਜ਼ – ਖੇਤੀ ਤਰੀਕੇ

ਮਿੱਟੀ

ਜੈਵਿਕ ਪਦਾਰਥ ਵਾਲੀ ਬਲੂਈ ਦੋਮਟ ਮਿੱਟੀ ਅਤੇ pH 6–6.5 ਉਚਿਤ ਹੈ।

ਮੌਸਮ

ਤਰਬੂਜ਼ ਗਰਮ ਮੌਸਮ ਦੀ ਫਸਲ ਹੈ। 38°C ਤੋਂ ਉੱਪਰ ਵਧੀਆ ਵਿਕਾਸ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਬੀਜ ਦਰ

200–300 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ

ਫਾਸਲਾ

180 ਸੈਮੀ × 60 ਸੈਮੀ

ਸਿੰਚਾਈ

ਫਲ ਵਿਕਾਸ ਸਮੇਂ ਯੋਗ ਸਿੰਚਾਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

ਖਾਦਾਂ

- ਗੋਬਰ ਖਾਦ: 10–12 ਟਨ/ਏਕੜ
- NPK: 40:36:30 ਕਿ.ਗ੍ਰਾ./ਏਕੜ

Odia (ଓଡ଼ିଆ)

ତରଭୁଜ – ଚାଷ ପ୍ରଣାଳୀ

ମାଟି

ଜୀବାଶ୍ମ ଦ୍ରବ୍ୟଯୁକ୍ତ ବାଲୁକାମୟ ଦୋଆଁଶ ମାଟି ଏବଂ pH 6–6.5 ଉପଯୁକ୍ତ।

ଜଳବାୟୁ

ତରଭୁଜ ଗରମ ଋତୁର ଫସଲ। 38°C ଉପରେ ଭଲ ବୃଦ୍ଧି ହୁଏ।

ବୀଜ ପରିମାଣ

ପ୍ରତି ଏକର 200–300 ଗ୍ରାମ

ଦୂରତା

180 ସେ.ମି × 60 ସେ.ମି

ସିଚାଇ

ଫଳ ବିକାଶ ସମୟରେ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ପାଣି ଆବଶ୍ୟକ।

ସାର

- ଗୋବର ଖାଦ: 10–12 ଟନ/ଏକର
- NPK: 40:36:30 କି.ଗ୍ରା./ଏକର